राजस्थान में पाकिस्तानी घुसपैठ

*823. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान के साथ लगते हुए राजस्थान के क्षेत्रों में पाकिस्तानी घुसपैठ की घटनाओं में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो किन किन क्षेत्रों में घुसपैठ विशेषकर जारी है; और

(ग) इसे रोकने के लिये सरकार ने अब तक क्या उपाय किये हैं ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्त राव चव्हाण) (क) जी नहीं, श्रीमान् :

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) घुसपैठियों को रोकने के लिये हमारे सीमा सुरक्षा दल द्वारा कड़ी गश्त लगाई जा रही है ।

Multiplicity of Agencies in Delhi

*824. SHRI M. L. SONDHI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are taking any steps to end the multiplicity of agencies which are seriously impeding the planned development of Delhi; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) and (b). The Administrative Reforms Commission have made certain recommendations in this behalf. These recommendations are under examination in consultation with the Delhi Administration.

दिल्ली में अखिल भारतीय छात्र संघ की बैठक

*825. **श्री विभूति मिश्र :** क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय ने अखिल भारतीय छात्र संघ की एक बैठक 23 मई, 1969 को दिल्ली में बुलाई थी;

(ख) क्या यह भी सच है कि जब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डा० डी० एस० कोठारी भाषण कर रहे थे तब छात्रों में भाषा के प्रश्न पर पारस्परिक विवाद हो गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त बैठक में विद्यार्थियों के प्रतिनिधि के रूप में ऐसे व्यक्ति भी शामिल हुए थे जिनका अध्ययन से किसी प्रकार का भी सम्बन्ध नहीं था और इसके परिणामस्वरूप पारस्परिक विवाद और कटुता उत्पन्न हुई; और

(घ) सरकार ने यह बैठक किस प्रयोजन के लिये बुलाई थी ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री (डा० वी० के० आर० वी० राव) : (क) शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 23–25 मई, 1969 को संयुक्त रूप से विश्वविद्यालयों के छात्रों के प्रतिनिधियों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था ।

(ख) सम्मेलन के प्रारम्भ में, जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष ने अपना स्वागत भाषण अंग्रेजी में देना शुरू किया, छात्र प्रतिनिधियों में इस बात पर मतभेद उत्पन्न हो गया कि सम्मेलन की कार्यवाही हिन्दी में होनी चाहिये अथवा अंग्रेजी में । शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के सुझाव पर इस बात पर आम सहमति थी कि सम्मेलन में भाग लेने वाले हिन्दी अथवा अंग्रेजी में से किसी में भी बोल सकते हैं ।

(ग) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को विश्वविद्यालय यूनियन के अध्यक्ष अथवा यदि